



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, 29 मार्च, 2006/8 चैत्र, 1928

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिमूचना

शिमला-4, 29 मार्च, 2006

संख्या वि० स०-विधायन-गवर्न. विल. 1-20/2006.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य
संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा समान पर वर लगाने का

(संशोधन) विधेयक, 2006 (2006 का विधेयक संख्यांक 6) जो आज दिनांक 29 मार्च, 2006 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है।

जे० आर० गाजटा,
सचिव।

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) विधेयक, 2006

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के सत्तावनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) अधिनियम, 2006 है। संक्षिप्त नाम।

1955 का 15 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मूल अधिनियम" निर्दिष्ट किया गया है) की धारा 4 का अन्तः-स्थापन।
के द्वितीय परन्तुक के पश्चात्, निम्नलिखित नई धारा 4-क अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“4-क. सामान का विक्रय करने या करवाने अथवा प्रेषण या परिवहन को प्राधिकृत करवाने वाले व्यक्ति से अतिरिक्त सामान कर का संग्रहण.—(1) धारा 3-ख की उप-धारा (2) में अन्तर्विष्ट किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, सामान का विक्रय करने या करवाने अथवा परिवहन के लिए प्रेषण को प्राधिकृत करने और राज्य सरकार द्वारा, अधिसूचना द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति, मोटर गाड़ी, जिसमें या जिस पर सामान का परिवहन किया जाता है के, यथास्थिति, प्रभारी व्यक्ति या चालक से, धारा 3-ख के अधीन संदेय कर की रकम, विहित रीति में संगृहीत करेगा और ऐसा संग्रहण करने वाला व्यक्ति, विहित रीति में उसका संदाय सरकारी खजाने में करेगा।

(2) ऐसा संग्रहण करने वाला व्यक्ति मोटर गाड़ी, जिसमें या जिस पर सामान का परिवहन किया जाना है के, यथास्थिति, प्रभारी व्यक्ति या चालक को विहित रीति में एक प्रमाण-पत्र जारी करेगा और प्रमाण-पत्र को पेश करने पर अधिनियम की धारा 3-ख की उप-धारा (2) के अधीन कोई कर संदेय नहीं होगा।

(3) यदि कोई व्यक्ति उप-धारा (1) और (2) के किसी या सभी उपबन्धों का उल्लंघन करता है, तो विहित प्राधिकारी, सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् लिखित आदेश द्वारा ऐसे व्यक्ति को, उप-धारा (1) के अधीन संदेय कर की रकम के दो गुना से अधिक राशि शास्ति के रूप में संदत्त करने का निदेश देगा।

- (4) धारा 12 के उपबन्ध, यथावश्यक परिवर्तन सहित, इस धारा के अधीन संदेय कर और या अधिरोपित किन्तु अनिश्चित किसी शास्ति की किसी रकम की वसूली के लिए लागू होंगे।”।

धारा 14-ख 3. मूल अधिनियम की धारा 14-ख में, उप-धारा (3) में, “3 और धारा 3-ख”, का संशोधन। अंकों, शब्दों, चिन्ह और अक्षर के स्थान पर “3, 3-ख और धारा 4-क” अंक, चिन्ह, शब्द और अक्षर रखे जाएंगे।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश में गावियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 की धारा 3-अ के अधीन अतिरिक्त सामान कर का संदाय मोटर गाड़ी के प्रभारी व्यक्ति या चालक द्वारा सरकारी खजाना या भारतीय स्टेट बैंक या विहित प्राधिकारी को किया जाता है। यह प्रक्रिया समय लेने वाली होने के साथ-साथ अनेक संग्रहण स्थानों की स्थापना आवश्यक बना देती है। इस प्रकार संग्रहण को अधिक सुविधाजनक बनाने और अतिरिक्त सामान कर के संग्रहण को सुविध्युक्त बनाने की दृष्टि से, यह विनिश्चित किया गया है कि कम से कम उस सामान की बाबत, जिसका उद्गम एकल या सुविधापूर्वक अभिज्ञेय बड़े स्त्रोत से होता है, कर का संग्रहण, ऐसे मूल स्रोतों के प्रवर्तन द्वारा मोटर गाड़ी के प्रभारी व्यक्ति या चालक से किया जाएगा जो इस प्रकार संगृहीत कर को सरकारी खजाने में जमा करने के लिए जिम्मेदार होगा और उसके प्रमाणस्वरूप आवश्यक रसीद जारी करेगा। इसलिए, पूर्वोक्त अधिनियम में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है।

रंगीला राम राव,
प्रधानी मन्त्री।

णिमला :

तारीख 2006.

वित्तीय जापन

विधेयक का खण्ड 2, अधिनियम के अधीन पहले से ही उद्गृहीत अतिरिक्त सामान कर की प्रक्रिया उपबंधित करता है। इस विधेयक के उपबन्ध अधिनियम में किए जाने पर, राजकोष पर कोई अतिरिक्त व्यय उपगत किए बिना, विद्यमान सरकारी तन्त्र द्वारा प्रशासित किए जाएंगे।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी जापन

विधेयक का खण्ड 2, राज्य सरकार को, कर का संग्रहण और संदाय करने तथा संग्रहण का प्रमाणपत्र जारी करने के लिए सशक्त करता है।

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का (संशोधन) विधेयक, 2006

हिमाचल प्रदेश में यात्रियों तथा सामान पर कर लगाने का अधिनियम, 1955 (1955 का 15) का और संशोधन करने के लिए विधेयक।

रंगीला राम राव,
प्रभारी मन्त्री।

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
प्रधान सचिव (विधि)।

शिमला :
तारीख 2006.

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 6 of 2006.

THE HIMACHAL PRADESH PASSENGERS AND GOODS
TAXATION (AMENDMENT) BILL, 2006

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955 (Act No. 15 of 1955).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-seventh Year of the Republic of India, as follows :—

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation (Amendment) Act, 2006. Short title.

2. In section 4 of the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955 (hereinafter referred to as the "principal Act"), after second proviso, the following new section 4-A shall be inserted, namely :— Insertion of section 4-A.

"4-A. Collection of additional goods tax by a person selling or causing or authorizing to cause dispatch or transport of goods.—(1) Notwithstanding anything to the contrary contained in sub-section (2) of section 3-B, a person selling or causing or authorizing to cause dispatch of goods for transport and duly authorised by the State Government, by notification, shall, in the prescribed manner, collect the amount of tax payable under section 3-B from the person-in-charge or the driver of the motor vehicle, as the case may be, in or on which goods are to be transported and the person making such collection shall, in the prescribed manner, make payment of the same into the Government treasury.

(2) The person making such collection shall issue a certificate in the prescribed manner, to the person-in-charge or the driver of the motor vehicle, as the case may be, in or on which goods are to be transported and, on the production of the certificate, no tax shall be payable under sub-section (2) of section 3-B of the Act.

(3) If any person contravenes any or all of the provisions of sub-sections (1) and (2), the prescribed authority shall, after giving opportunity of being heard, by an order in writing, direct that such person shall pay by way of penalty a sum not exceeding twice the amount of tax payable under sub-section (1).

- (4) The provisions of section 12 shall *mutatis mutandis* apply for recovery of any amount of tax payable and or any penalty imposed but not deposited under this section."

Amendment
of section
14-B.

3. In section 14-B of the principal Act, in sub-section (3), for the figures, word, sign and letter "3 and 3-B", the figure signs, words and letters "3, 3-B and 4-A" shall be substituted.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

Under section 3-B of the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955, additional goods tax is to be paid by the person-in-charge or the driver of the motor vehicle in the Government treasury or in the State Bank of India or to the prescribed authority. This procedure besides being time-consuming also entails multi collection points. Thus, with a view to make collection more convenient and to rationalize the collection of additional goods tax, it has been decided that atleast in respect of those goods which originate from single and conveniently indentifiable big source, the collection of tax shall be made from the person-in-charge or the driver of the motor vehicle, by the managements of such originating sources, who shall be responsible for depositing the tax so collected into the Government treasury and issue necessary receipt in token thereof. This has necessitated amendments in the Act *ibid*.

2. This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-charge.

SHIMLA :

The....., 2006

FINANCIAL MEMORANDUM

Clause 2 of the Bill seeks to provide for a mechanism of collection of the additional goods tax already levied under the Act. The provisions of the Bill, if enacted, shall be administered by the existing Government machinery without incurring any additional expenditure from the State Exchequer.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Clause 2 of the Bill seeks to empower the State Government to make rules for collection and payment of tax and for issuance of certificate of collection.

THE HIMACHAL PRADESH PASSENGERS AND GOODS TAXATION (AMENDMENT) BILL, 2006

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Passengers and Goods Taxation Act, 1955.

RANCHHA RAMBHAO,
Minister-in charge.

SURINDER SINGH THAKUR,
Principal Secretary (Law).

SHIMLA :

The....., 2006.